भारत सरकार

विद्युत मंत्रालय

....

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-2029

दिनांक 31 जुलाई, 2025 को उत्तरार्थ

बिजली संयंत्रों से उत्सर्जित स्लैग का निपटान

2029. श्रीमती कमलेश जांगड़ेः

क्या **विद्युत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले में प्रकाश इंडस्ट्रीज लिमिटेड चांपा 500 मेगावाट का एक विद्युत संयंत्र संचालित कर रही है, जिसमें 100 मेगावाट की दो इकाइयां और 150 मेगावाट की दो इकाइयां हैं;

(ख) यदि हाँ, तो उक्त विद्युत संयंत्र में प्रयुक्त कोयले से उत्सर्जित स्लैग के निपटान हेतु क्या व्यवस्था की गई है और इस स्लैग को डंप किए जाने वाली जगह/स्थान कौन से है;

(ग) वर्ष 2024-25 से अब तक उत्सर्जित स्लैग की कुल मात्रा कितनी है; और

(घ) स्लैग बांध के निर्माण हेतु कुल क्षेत्रफल, स्थान, प्रभावित गाँवों के नाम, स्लैग बांध की वर्तमान स्थिति आदि सहित इस हेतु प्रयुक्त की गई/प्रयुक्त की जाने वाली भूमि का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

विद्युत राज्य मंत्री
(श्री श्रीपाद नाईक)

(क) : जी नहीं। मेसर्स प्रकाश इंडस्ट्रीज लिमिटेड**,** चांपा**,** जिला जांजगीर-चांपा अपशिष्ट ताप रिकवरी बॉयलर पर आधारित 75 मेगावाट सह-उत्पादन विद्युत संयंत्र और 162.5 मेगावाट कोयला आधारित कैप्टिव विद्युत संयंत्र (1×12.5 मेगावाट + 6×25 मेगावाट) का प्रचालन कर रहा है।

(ख) और (ग) : कोयला आधारित विद्युत संयंत्रों से स्लैग उत्पन्न नहीं होता है। स्लैग इंडक्शन फर्नेस और सबमर्ज्ड आर्क फर्नेस से उत्पन्न होता है। छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल की रिपोर्ट के अनुसार**,** वर्ष 2024-25 से अब तक उद्योग से उत्पन्न स्लैग की मात्रा 3,90,402 टन है।

(घ) : मेसर्स प्रकाश इंडस्ट्रीज लिमिटेड, चांपा, जिला जांजगीर-चांपा द्वारा कोई स्लैग बांध का निर्माण नहीं किया गया है और स्लैग बांध निर्माण का कोई प्रस्ताव नहीं है।

****